सुविचार- अगर आप दूसरों के बारे में भी सोचते हैं तो आप सच्चे इंसान हैं.

कहानी

नील और जादुई चाबी की सच्ची सीख

देवगढ़ नाम के सुंदर पहाड़ी कस्बे में नील नाम का एक लड़का रहता था. नील पढ़ाई में तेज़ और स्वभाव से शांत था, लेकिन उसके अंदर एक कमी थी वह मेहनत से ज़्यादा किस्मत पर भरोसा करता था. वह मानता था कि सफलता सिर्फ किस्मत वालों को मिलती है, इसलिए वह किसी काम में पूरा मन नहीं लगाता था. उसके पिता, अर्जुन, एक साधारण किसान थे, लेकिन अनुभव और मेहनत की शक्ति में उनका दृढ़ विश्वास था.

एक दिन नील स्कूल से लौट रहा था, तभी रास्ते में एक बुज़ुर्ग संत उसे मिले. उनकी आँखों में चमक थी और चेहरे पर अजीब सी शांति. उन्होंने नील को रोककर कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में एक अनमोल अवसर है. क्या तुम उसे पहचानोगे?' नील चौंका. 'क्या मतलब?' संत मुस्कुराए, 'ऐसा खज़ाना है जिसे पाने वाला कभी जीवन में हार नहीं मानता.' इतना कहकर संत ने अपने झोले से एक पुरानी, भारी-भरकम चाबी निकाली और नील को थमा दी. 'यह चाबी तुम्हारे लिए है. इसे संभालकर रखना. समय आने पर यह तुम्हें सही राह दिखाएगी.'

नील ने चाबी ले तो ली, लेकिन उसके मन में उलझन बढ़ गई एक साधारण-सी चाबी कैसे किसी का जीवन बदल सकती है? उसने सोचा शायद सच में कोई खज़ाना होगा. अगले कुछ दिन नील उस रहस्य में ही उलझा रहा. पढ़ाई पर ध्यान कम से कम होता जा रहा था. एक शाम जब वह खेत में अपने पिता की मदद कर रहा था, तभी उसे लगा कि जमीन के एक कोने में कुछ दबी हुई चीज़ है. उत्सुकता के साथ उसने खुदाई शुरू कर दी, यह सोचकर कि कहीं यह वही 'खज़ाना' तो नहीं जिसकी बात संत ने की थी. आखिरकार मिट्टी के भीतर से एक छोटा लोहे का डिब्बा मिला. नील की आँखें चमक उठीं उसने उम्मीद की थी कि इसमें सोना, पैसे या कोई अनमोल वस्तु होगी. उसने बड़े उत्साह से डिब्बा खोला, लेकिन अंदर सिर्फ एक पुरानी डायरी और एक मुट्ठी मिट्टी थी.

'ये क्या मज़ाक है?' वह निराश होकर बोला. डायरी पर उसके पिता का नाम लिखा था—अर्जुन. वह डायरी लेकर घर पहुँचा और पिता से पूछा, 'पिताजी, ये आपकी डायरी है? इसमें ऐसी क्या खास बात है?' अर्जुन ने डायरी देखकर गहरी सांस ली. 'नील, यह तुम्हें इसलिए मिली क्योंकि अब तुम उस उम्र में हो जहाँ समझ की शुरुआत होती है. इसे मैंने अपने संघर्ष के दिनों में लिखा था.' नील ने डायरी पढ़नी शुरू की. उसमें उसके पिता की कठिनाइयाँ दर्ज थीं कैसे छोटी उम्र में उन्होंने खेत सँभाला, कैसे कर्ज चुकाने के लिए दिन-रात मेहनत की, कैसे वे ठोकरें खाकर उठे, और कैसे बिना हार माने आगे बढ़ते गए. हर पन्ने के आखिर में एक ही पंक्ति लिखी थी:

'किस्मत उसी का साथ देती है जो मेहनत का हकदार बनता है.'

नील की आँखों में नमी आ गई. उसने पहली बार महसूस किया कि उसके पिता की मुस्कान के पीछे कितने संघर्ष छिपे हैं. उसी रात वह चाबी उठाकर बैठा. अचानक उसे एहसास हुआ यह चाबी किसी खज़ाने की नहीं, बल्कि इस डायरी को खोलने की थी. संत ने उसे असली संदेश यही दिया था कि जीवन का असली खज़ाना मेहनत, लगन और अनुभव ही होते हैं. अगली सुबह नील जल्दी उठ गया. उसने तय कर लिया कि अब वह हर काम चाहे पढ़ाई हो या खेत का काम पूरी जिम्मेदारी और मेहनत से करेगा. धीरे-धीरे उसके शिक्षक भी उसकी बदलाव से प्रभावित होने लगे. पढ़ाई में उसके अंक बढ़ने लगे, और प्रतियोगिताओं में भी वह आगे आने लगा. एक दिन गांव में विज्ञान प्रदर्शनी रखी गई. नील ने मेहनत से सोलर ऊर्जा पर एक मॉडल बनाया, जिसे देखकर सभी हैरान रह गए. उसके मॉडल को जिले में पहला स्थान मिला. जब नील मंच पर पुरस्कार लेने गया, तो उसकी निगाहें सामने बैठे बुज़ुर्ग संत पर पड़ीं. संत ने दूर से मुस्कुराकर सिर हिलाया—मानो कह रहे हों, 'अब तुमने असली खज़ाना पा लिया है.' नील गर्व से भरे दिल के साथ घर लौटा और पिता से लिपटकर बोला,

'पिताजी, अब समझ आया कि आपकी मेहनत ही मेरी सबसे बड़ी विरासत है.'

अर्जुन ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, 'बेटा, जीवन में कोई चाबी दरवाज़ा नहीं खोलती मेहनत और ईमानदारी ही असली ताले खोलती हैं.'

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

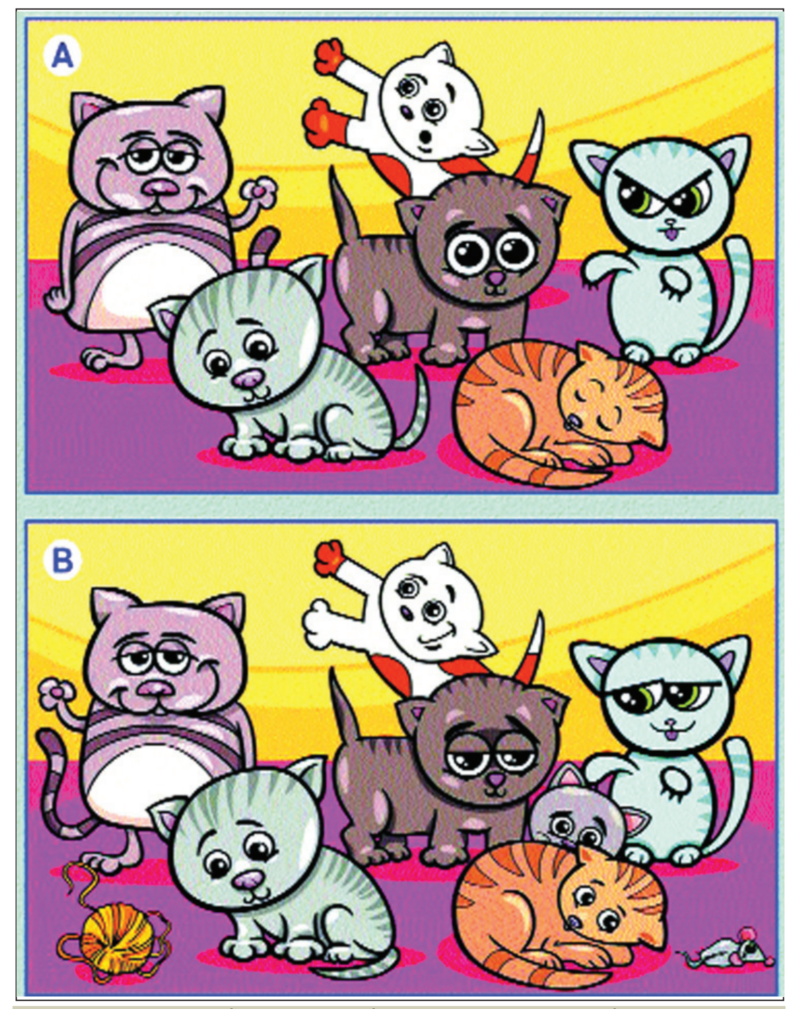

उत्तर:- 1. सफेद बिल्ली के पंजे में अंतर, 2. बड़ी बिल्ली के हाथ में अंतर, 3. बड़ी बिल्ली की पूंछ, 4. काली बिल्ली की आंख में अंतर, 5. नीली बिल्ली की आंख में अंतर, 6. भूरी बिल्ली की आंखें बंद, 7. ऊन का गोला, 8. चूहा गायब, 9. ग्रे बिल्ली की पूंछ, 10. छोटी बिल्ली गायब

भूल भुलैया

कविता

रामू श्यामू अच्छे दोस्त

रामू , श्यामू अच्छे दोस्त
दोनों नटखट घूमे रोज
पढ़ाई करने में जीरो
सबके सामने बने हीरो
रामू , श्यामू अच्छे दोस्त
दोनों नटखट घूमे रोज
खाना दोनों ठूस - ठूस
कर खाते
पढ़ाई करने से पहले
सो जाते
पेपर में जीरो नम्बर
वो लाते
रिजल्ट के समय
आसू बहाते
रामू , श्यामू अच्छे दोस्त
दोनों नटखट घूमे रोज.

प्रेरक प्रसंग

साहित्य, शिक्षा और समाज की सच्ची मार्गदर्शक : महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा को लोग प्यार से 'आधुनिक मीरा' कहते हैं, क्योंकि उनकी कविताएँ बहुत भावुक, साफ-सुथरी और दिल को छू लेने वाली होती थीं. जैसे मीरा बाई अपने भक्ति गीतों के लिए प्रसिद्ध थीं, वैसे ही महादेवी वर्मा अपनी कोमल और गहरी कविता के लिए जानी जाती हैं. महादेवी वर्मा ने भारत की प्रगति में कई तरह से योगदान दिया. सबसे पहले, उन्होंने हिंदी साहित्य को बहुत मजबूत बनाया. उनकी प्रसिद्ध कविता-पुस्तक 'यामा' को बहुत सम्मान मिला. उन्होंने 'दीपशिखा ', 'नीहार ', 'रश्मि ', और 'सांझी कला' जैसी सुंदर कविता-पुस्तकें भी लिखीं, जो आज भी बच्चों और बड़ों दोनों को प्रेरणा देती हैं.

कविता के अलावा वे बहुत अच्छी कहानी और निबंध लिखने वाली लेखिका भी थीं. उनकी प्रसिद्ध किताब 'अतीत के चलचित्र' में उन्होंने अपने जीवन की घटनाएँ बहुत सरल तरीके से लिखी हैं. जानवरों से जुड़े उनके लेख 'गिल्लू ', 'नीलकंठ ', और 'सफ़ेद कुंती' बहुत मशहूर हैं. इन कहानियों में दया, प्यार और जीवों की देखभाल की सीख मिलती है जो बच्चों के लिए बहुत उपयोगी है. महादेवी वर्मा सिर्फ लेखिका नहीं थीं, वे समाज के लिए काम करने वाली एक संवेदनशील इंसान भी थीं. वे गरीबों, महिलाओं और बच्चों की समस्याओं को समझती थीं और उन पर लिखती थीं ताकि समाज में जागरूकता बढ़े. महिलाओं की शिक्षा के लिए उन्होंने लंबे समय तक एक महिला विद्यालय में काम किया. वे कहती थीं 'लड़की पढ़ेगी तो समाज आगे बढ़ेगा.'

उनकी मेहनत से कई लड़कियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका मिला. महादेवी वर्मा की रचनाएँ लोगों में प्यार, दया, समझ और अच्छे विचार जगाती हैं. उनकी सोच ने समाज को संवेदनशील बनाया और महिलाओं को आगे बढ़ने की हिम्मत दी. इसीलिए वे सिर्फ एक कवयित्री नहीं, बल्कि भारत की प्रगति की एक मजबूत आवाज़ मानी जाती हैं.

रंग भरो

जानकारी

सूरज : ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत

सूरज हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा और सबसे चमकीला पिंड है. यह गर्म गैसों से बना एक विशाल आग का गोला है. सूरज पृथ्वी से लगभग 15 करोड़ किलोमीटर दूर है, लेकिन फिर भी उसकी रोशनी और गर्मी हम तक पहुँचती है. यही रोशनी धरती पर जीवन को चलाती है. वैज्ञानिकों के अनुसार सूरज की रोशनी को पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड लगते हैं. सूरज के बिना धरती पर न तो पौधे उग पाएँगे और न ही कोई जीव-जंतु रह पाएँगे.

पौधे सूरज की रोशनी से अपना भोजन बनाते हैं, और इन्हीं पौधों से जानवर और इंसान को ऊर्जा मिलती है. इस तरह सूरज पूरे जीवन चक्र का सबसे जरूरी हिस्सा है. सूरज के अंदर का तापमान करोड़ों डिग्री होता है. इतनी गर्मी के कारण वहाँ कोई भी चीज़ टिक नहीं सकती. सूरज लगातार ऊर्जा छोड़ता रहता है, इसलिए यह दिनभर चमकता दिखाई देता है. पृथ्वी पर दिन और रात भी सूरज की रोशनी के कारण ही बनते हैं. जब हमारी धरती का हिस्सा सूरज की तरफ होता है, तब दिन होता है और जब पीछे होता है तो रात.

सूरज हमें कई फायदों के साथ कुछ सावधानियाँ भी देता है. उसकी रोशनी से हमें विटामिन-डी मिलता है, जो शरीर के लिए बहुत ज़रूरी है. लेकिन तेज धूप में ज़्यादा समय रहना त्वचा के लिए नुकसान भी कर सकता है, इसलिए धूप में जाते समय ध्यान रखना चाहिए.

अंतरिक्ष वैज्ञानिक सूरज पर लगातार नज़र रखते हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कब तेज गतिविधि करता है. सूरज की तेज चमक या विस्फोट धरती की संचार प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं. इसलिए वैज्ञानिक इसे लगातार पढ़ते रहते हैं. सूरज हमारे जीवन का आधार है. उसकी ऊर्जा और रोशनी के बिना धरती पर जीवन संभव नहीं है.

बिंदु मिलाओ

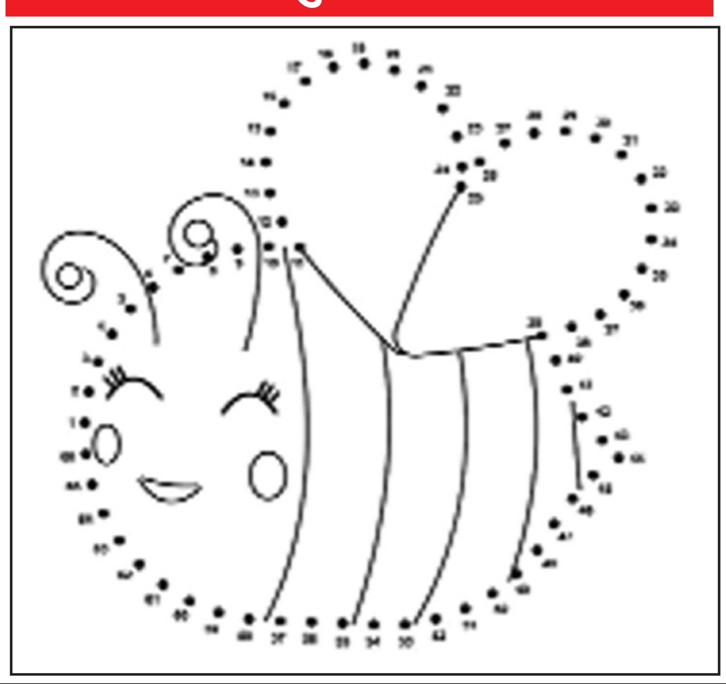

जानिए समुद्र से जुड़े कुछ रोचक तथ्य

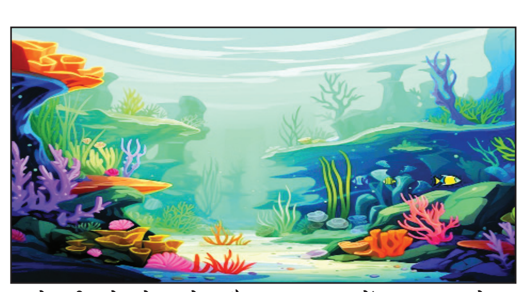

समुद्र पृथ्वी का सबसे बड़ा और सबसे रहस्यमय हिस्सा है. इसमें अनगिनत जीव, पौधे और अद्भुत प्राकृतिक घटनाएँ छिपी हैं जिन्हें आज तक वैज्ञानिक भी पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं. आइए जानते हैं समुद्र से जुड़े कुछ रोचक तथ्य.

- दुनिया का सबसे गहरा समुद्री स्थान मैरीआना खाई है, जो लगभग ग्यारह किलोमीटर गहरी है.
- समुद्र का रंग नीला इसलिए दिखता है क्योंकि पानी लाल और पीली रोशनी को सोख लेता है और नीली रोशनी को लौटाता है.
- पृथ्वी की 50 से 70 प्रतिशत ऑक्सीजन समुद्री पौधों द्वारा बनाई जाती है.
- समुद्र में बनने वाली कुछ लहरें तीस मीटर तक ऊँची हो सकती हैं.
- दुनिया की सबसे लंबी पर्वतमाला समुद्र के भीतर है, जिसे मध्य-महासागरीय पर्वतमाला कहा जाता है.
- पानी में ध्वनि हवा की तुलना में चार गुना तेज़ चलती है.
- समुद्र का सबसे बड़ा जीव नीली व्हेल है यह एक बड़ी बस जितनी लंबी होती है.
- वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्र का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग अभी भी अनदेखा और अनजाना है.
- समुद्र में दो सौ मीटर से अधिक गहराई पर पूर्ण अंधेरा रहता है.
- समुद्री लहरें चन्द्रमा और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण बनती हैं.

बूझो तो जानें

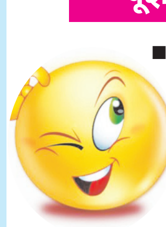

- मैं चलता भी हूँ, रुकता भी हूँ, पर पैरों से कभी थकता नहीं। बताओ मैं कौन हूँ?
  उत्तर: घड़ी
- दिन में सोऊं, रात में जागूं, रहें अँधेरे में, पर सबको भाएँ।
  उत्तर: तारे
- ऐसी कौन-सी चीज़ है जो खुद तो गीली होती है, लेकिन दूसरों को सुखा देती है?
  उत्तर: तौलिया
- कभी ऊपर, कभी नीचे जाती, फिर भी वहीं की वहीं रहती।
  उत्तर: सीढ़ियाँ
- मैं टूट भी जाता हूँ और बनता भी हूँ, पर कभी आवाज़ नहीं करता।
  उत्तर: सपना
- न दांत है, न मुँह है, फिर भी सब खाती हूँ।
  उत्तर: आग
- कौन-सी चीज़ पानी में गिरती है तो भीगी नहीं होती?
  उत्तर: परछाई
- ऐसी कौन-सी चीज़ है जो बढ़ती तो है, लेकिन दिखाई नहीं देती?
  उत्तर: उम्र

हंसी-ठिठोली

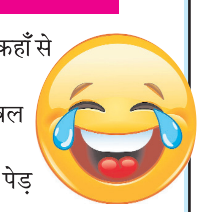

- टीचर: बताओ बिजली कहाँ से आती है?
  पप्पू: सर, घर वाले बिल देखकर!
- टीचर: बताओ, बिल्ली पेड़ पर क्यों चढ़ती है?
  पप्पू: सर, क्योंकि नीचे इंटरनेट नहीं होता!
- गाय: मैं दूध देती हूँ.
  पप्पू: हाँ, और हम उसे चाय में डालकर जादू करते हैं!
- पप्पू: मम्मी, आज तो बहुत गर्मी है.
  मम्मी: पानी पी लो.
  पप्पू: नहीं मम्मी, मैं प्यासा नहीं हूँ, सिर्फ़ गर्मी महसूस कर रहा हूँ!
- टीचर: अगर पृथ्वी से सूरज दूर चला जाए तो क्या होगा?
  स्टूडेंट: सर, छुट्टी
- टीचर: बताओ, बिल्ली चूहा क्यों पकड़ती है?
  स्टूडेंट: सर, वो भी स्कूल की तरह टेस्ट देती है!
- टीचर: हवा क्यों चलती है?
  स्टूडेंट: सर, पंखे को देखकर!
- चिंटू - मैं कल से स्कूल नहीं जाऊंगा, मास्टर जी को कुछ आता ही नहीं है.
  पापा - क्यों, ऐसा क्या हो गया?
  चिंटू - वो सारे सवालों के जवाब मुझसे ही पूछते हैं.

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स, लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com पर मेल करें.